बढ़त बनाने उतरेंगी टीमें

भारत-इंग्लैंड के बीच तीसरा टेस्ट मैच आज से लॉर्ड्स के मैदान पर

लंदन, 09 जुलाई (वार्ता) भारत और इंग्लैंड सीरीज में 1-1 की बराबरी हो जाने के बाद गुरूवार से ऐतिहासिक लॉर्ड्स मैदान पर होने वाले तीसरे टेस्ट मैच में %एडवांटेज लॉर्ड्स% के लिए उतरेंगे। जीतने वाली टीम को सीरीज में 2-1 की महत्वपूर्ण बढ़त हासिल हो जायेगी।

पहला टेस्ट हारने के बाद भारतीय टीम ने दूसरे टेस्ट में जबरदस्त वापसी करते हुए रनों के लिहाज से 336 रन से विदेशी जमीन पर अपनी सबसे ब?ी जीत हासिल की थी। दूसरा मैच हारने के बाद इंग्लैंड की टीम भी वापसी करने के लिए बेताब होगी और इसके लिए उसने लॉर्ड्स में तेज और उछाल वाली पिच रखने को अपना लक्ष्य बनाया है।

भारत को जसप्रीत बुमराह की वापसी से मिलेगी मजबूती

इंग्लैंड ने बनाई उछाल भरी पिच, बदलाव संभव

इंग्लैंड ने लॉर्ड्स में होने वाले तीसरे टेस्ट के लिए तेज और उछाल भरी %जीवंत पिच% की मांग की है। इंग्लैंड के कोच ब्रेंडन मैकुलम का मानना है कि एजबस्टन में तैयार की गई %उपमहाद्वीप जैसी% पिच और टॉस पर गेंदबाजी चुनने का इंग्लैंड का फैसला भारत के पक्ष में गया। वे गुरुवार से शुरू हो रहे तीसरे टेस्ट में घरेलू हालात का बेहतर फायदा उठाने की कोशिश करेंगे। वे अपने तेज गेंदबाजी आक्रमण में बदलाव करने पर भी विचार कर रहे हैं क्योंकि इन गेंदबाजों को पिछले दो टेस्ट के दौरान मैदान पर काफी मेहनत करनी पड़ी है।

इस मैच में तेज गेंदबाजों जोफ्रा आर्चर और गस ऐटकिंसन की इंग्लिश टीम में वापसी हो सकती है। हैमस्ट्रिंग खिंचाव के बाद एटकिंसन की कमी इंग्लैंड को खली है और उनकी रिकवरी उम्मीद से ज्यादा लंबी रही है। लेकिन उन्हें तीसरे टेस्ट के लिए 16 सदस्यीय दल में शामिल किया गया है, जिसमें आर्चर, सैम कुक और जैमी ओवर्टन भी अतिरिक्त तेज गेंदबाज के रूप में हैं। एटकिंसन का लॉर्ड्स में शानदार रिकॉर्ड रहा है और उन्होंने यहां दो टेस्ट में एक शतक के साथ-साथ 19 विकेट भी लिए हैं।

भारत के तेज गेंदबाजों मोहम्मद सिराज और आकाशदीप सिंह ने दूसरे टेस्ट में शानदार गेंदबाजी करते हुए कुल 17 विकेट लिए थे। सिराज ने पहली पारी में छह विकेट और आकाशदीप ने दूसरी पारी में छह विकेट झटके थे। उनके प्रदर्शन ने भारत की जीत के लिए आधार तैयार किया था। शुभमन गिल की अगुवाई में भारतीय टीम मंगलवार को लॉर्ड्स में अपने पहले अभ्यास सत्र के लिए एक सहज और आत्मविश्वासी माहौल में पहुंची। सबसे ज्यादा सहज बुमराह दिखे, जो इंग्लैंड दौरे की शुरुआत से ही अभ्यास सत्रों में चुलबुले और मजाकिया मूड में रहे हैं। लेकिन गेंद हाथ में आते ही बुमराह की गंभीरता और तीव्रता में कोई कमी नहीं थी। उन्होंने बिना कोई ब्रेक लिए लगभग एक घंटे तक गेंदबाजी की। गैरहाजिर खिलाड़ियों में शुभमन गिल, केएल राहुल, यशस्वी जायसवाल, ऋषभ पंत, वॉशिंगटन सुंदर, मोहम्मद सिराज और आकाश दीप शामिल थे।

> तीसरे मुकाबले में भारत को अपने ट्रम्प कार्ड जसप्रीत बुमराह की वापसी से मजबूती मिलेगी। बुमराह ने पिछली बार 24 जून को हेडिंग्ले टेस्ट के दौरान गेंदबाजी की थी। उस टेस्ट में उन्होंने कुल 43 .4 ओवर फेंके थे। उस दौरान उन्होंने पहली पारी में पांच विकेट लिए और दूसरी पारी में विकेट रहित रहे। कमर की परेशानी को देखते हुए उन्हें एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में पांच में से तीन टेस्ट खेलने की सलाह दी गई थी। इसी वजह से उन्होंने बर्मिंघम में खेले गए दूसरे टेस्ट से बाहर रहने का फ़ैसला किया। इस फैसले की काफी आलोचना हुई, क्योंकि कई लोगों को डर था कि भारत 0-2 से पीछे हो सकता है। एक अनुभवहीन तेज गेंदबाजी आक्रमण के साथ इंग्लैंड को फायदा मिलने के काफी आसार थे। लेकिन वो आशंका ग़लत साबित हुई। भारत ने बर्मिंघम में दबदबे वाली जीत के साथ सीरीज 1-1 से बराबर कर दी।

यूरोप दौरे पर भारत ए की धमाकेदार जीत

आइंडहोवन, (नीदरलैंड), 9 जुलाई (वार्ता) भारत ए पुरुष हॉकी टीम ने आयरलैंड पर 6-1 की शानदार जीत के साथ अपने यूरोप दौरे की शुरुआत की।

ओरांजे-रूड हॉकी क्लब में मंगलवार को खेले गये मुकाबले में भारतीय टीम ने चारों क्वार्टर में शानदार प्रदर्शन किया। उत्तम सिंह ने गोलकर भारतीय टीम को बढ़त दिलाई।

- **भारतीय टीम ने चारों क्वार्टर में शानदार प्रदर्शन किया**
- **आदित्य लालगे ने दो गोल कर जीत सुनिश्चित की**

अमनदीप लाकड़ा ने गोल दागकर टीम की बढ़त को दोगुना कर दिया। इसके बाद आदित्य लालगे ने लगातार दो गोल दागकर शानदार प्रदर्शन किया। फॉरवर्ड सेल्वम कार्थी और बॉबी सिंह धामी ने भी एक-एक गोल दागकर स्कोर में योगदान दिया। भारत की मजबूत रक्षापंक्ति के आगे आयरलैंड एकमात्र सांत्वना गोल कर सका। आज भारतीय टीम अपने दूसरे मैच मे आयरलैंड से भिड़ेगी। इसके बाद, वे अगले दो ह?तों में भारत फ्रांस, इंग्लैंड, बेल्जियम और मेजबान नीदरलैंड्स के खिलाफ खेलेंगा।

साल्ट के बल्ले को मिली मंजूरी

लंदन,9 जुलाई. इंग्लैंड के सीमित ओवरों के सलामी बल्लेबाज फिल साल्ट इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) सहित पिछले दो वर्षों से जिस बल्ले का उपयोग कर रहे थे उसे शुरू में मैदान पर गेज परीक्षण में गलत पाया गया था, लेकिन बाद में आगे की जांच के बाद इसे मंजूरी दे दी गई। इंग्लिश काउंटी क्रिकेट में लंकाशर की तरफ से खेलने वाले 28 वर्षीय साल्ट ने इस साल की शुरुआत में रॉयल चैलेंजर बेंगलुरु की पहली आईपीएल खिताबी जीत में अहम भूमिका निभाई थी। आईपीएल 2025 में उन्होंने 13 मैचों में 403 रन बनाए थे, जो विराट कोहली (15 मैचों में 657) के बाद उनकी टीम के लिए दूसरे सबसे ज़्यादा रन थे। लंकाशर क्रिकेट ने एक बयान में कहा कि नॉर्थेंट्स स्टीलबैक्स के खिलाफ शुक्रवार को हुए विटैलिटी ब्लास्ट टी-20 मैच के दौरान साल्ट द्वारा इस्तेमाल किए गए बल्ले को क्रिकेट नियामक की भ्रष्टाचार निरोधक इकाई (एसीयू) ने मंजूरी दे दी है। क्लब ने बयान में कहा, साल्ट पर ईसीबी (इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड) के नियम 3.2 और 3.3 के उल्लंघन का आरोप है, क्योंकि विटैलिटी ब्लास्ट मैच के दौरान उनका बल्ला मैदान पर गेज परीक्षण में सही नहीं पाया गया था। यह वही बल्ला है जिसका इस्तेमाल उन्होंने पिछले दो साल से इंग्लैंड, लंकाशर और आईपीएल के लिए बिना किसी समस्या के किया।

- **ईसीबी ने नियम उल्लंघन का लगाया था आरोप**

स्वियातेक ने रचा इतिहास

पहली बार विम्बलडन के सेमीफाइनल में पहुंचीं

लंदन, 9 जुलाई. पोलैंड की इगा स्वियातेक ने बुधवार को 19वीं वरीयता प्राप्त ल्यूडमिला सैमसनोवा को 6-2, 7-5 से हराकर पहली बार विंबलडन के सेमीफाइनल में जगह बनाई। यह मैच शुरुआती आसान बढ़त के बाद दूसरे सेट में कुछ संघर्षपूर्ण रहा।

पांच बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन स्वियातेक ने अपने चार खिताब फ्रेंच ओपन की लाल बजरी पर और एक यूएस ओपन के हार्ड कोर्ट पर जीते हैं। वह ऑस्ट्रेलियन ओपन में भी दो बार सेमीफाइनल तक पहुंची हैं। हालांकि, ऑल इंग्लैंड क्लब के घास के कोर्ट ने उन्हें पेशेवर करियर में सबसे ज्यादा परेशान किया था, भले ही उन्होंने 2018 में जूनियर चैंपियनशिप जीती थी। इस साल से पहले विंबलडन में अपनी पांच पिछली उपस्थिति में, वह केवल एक बार 2023 में क्वार्टरफाइनल तक पहुंची थीं।

24 वर्षीय स्वियातेक इस चिकनी सतह पर अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर रही हैं, जिसका आंशिक कारण फुटिंग के साथ उनकी बढ़ती सहजता है। विंबलडन शुरू होने से पहले, स्वियातेक जर्मनी के बैड होमबर्ग में उपविजेता रही थीं, जो घास पर खेले गए टूर्नामेंट में उनका पहला फाइनल था - और एक साल से अधिक समय में किसी भी इवेंट में उनका पहला फाइनल था। सैमसनोवा के खिलाफ स्वियातेक ने एक सेट और दूसरे सेट में 3-0 की बढ़त बना ली थी, जो सैमसनोवा का पहला ग्रैंड स्लैम क्वार्टरफाइनल था। हालांकि, जल्द ही स्कोर 4-4 हो गया, फिर 5-5। लेकिन स्वियातेक ने 6-5 की बढ़त के लिए अपनी सर्विस बरकरार रखी, और फिर मैच समाप्त करने के लिए ब्रेक लिया, जिससे उनके चेहरे पर मुस्कान फैल गई।

- **सैमसनोवा को 6-2, 7-5 से हरा कर बनाई अंतिम-4 में जगह**
- **फ्रेंच ओपन (4 बार) और यूएस ओपन (1 बार) जीत चुकी हैं**

एक नजर में

मीराबाई चानू राष्ट्रमंडल भारोत्तोलन चैंपियनशिप में भारतीय टीम का करेंगी नेतृत्व

कोलकाता. विश्व चैंपियनशिप और ओलंपिक पदक विजेता मीराबाई चानू अहमदाबाद में 23 से 31 अगस्त तक होने वाली राष्ट्रमंडल भारोत्तोलन चैंपियनशिप (सीडब्ल्यूसी) में भारत के अभियान का नेतृत्व करेंगी। यह आयोजन अगले साल ग्लासगो में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों (सीडब्ल्यूजी) के लिए एक प्रमुख क्वालीफाइंग इवेंट के रूप में कार्य करेगा। तोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता मीराबाई, जिनका पेरिस 2024 में निराशाजनक चौथा स्थान रहा था, ने सितंबर में तीन सप्ताह तक अमेरिका में फिजियोथेरेपिस्ट आरोन हॉर्सिंग के साथ प्रशिक्षण लिया था। इसके बाद उन्होंने अपनी रिकवरी और विशेष रूप से स्नैच में 90 किग्रा का लक्ष्य हासिल करने पर ध्यान केंद्रित किया है, जिसके लिए वह मोदीनगर में प्रशिक्षण ले रही हैं। चयन ट्रायल के बाद, भारत ने सीडब्ल्यूसी के लिए 16 भारोत्तोलकों (चार रिजर्व के अलावा) का चयन किया है, जिसमें आठ पुरुष और आठ महिलाएं शामिल हैं। सीडब्ल्यूसी में प्रत्येक भार वर्ग का विजेता सीडब्ल्यूजी के लिए कोटा स्थान अर्जित करेगा। टीम में चुने गए अधिकांश भारोत्तोलक अक्टूबर में नॉर्वे के फोर्डे में होने वाली विश्व चैंपियनशिप में भी भाग लेंगे।

गोला फेंक खिलाड़ी जैस्मीन कौर डोप टेस्ट में फेल, नाडा ने किया निलंबित

चेन्नई . पंजाब की गोला फेंक खिलाड़ी जैस्मीन कौर को राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) ने डोप टेस्ट में विफल रहने के कारण बुधवार को अनंतिम रूप से निलंबित कर दिया है। यह निलंबन उनके खेल करियर के लिए एक बड़ा झटका है। 22 वर्षीय जैस्मीन कौर टेरबुटालाइन नामक उत्तेजक पदार्थ के लिए पॉजिटिव पाई गई हैं। यह पदार्थ आमतौर पर खांसी के सिरप में पाया जाता है। जैस्मीन ने इसी साल देहरादून में हुए राष्ट्रीय खेलों में 15 .97 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता था। इसके अलावा, उन्होंने पिछले साल अंतर-विश्वविद्यालय खेलों में 14 .75 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ दूसरा स्थान हासिल किया था। नाडा की इस कार्रवाई के बाद उनके भविष्य पर सवालिया निशान लग गया है।

प्रो कबड्डी लीग का 12वां सीजन 29 अगस्त से होगा शुरू

चेन्नई . प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) का 12वां सीजन 29 अगस्त से शुरू होगा। लीग के आयोजक मार्शल स्पोर्ट्स ने बुधवार को इसकी घोषणा की। पिछला सीजन हरियाणा स्टीलर्स ने अपना पहला खिताब जीतकर समाप्त किया था, और एक रोमांचक दो दिवसीय नीलामी के बाद, अगला संस्करण एक रोमांचक प्रतियोगिता होने का वादा करता है। प्रो कबड्डी लीग के कमिश्नर अनुपम गोस्वामी ने कहा, हम पीकेएल सीजन 12 की शुरुआत की तारीख का अनावरण करते हुए रोमांचित हैं। रिकॉर्ड तोड़ खिलाड़ी नीलामी के बाद, जिसमें 10 खिलाड़ियों ने 1 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार किया, हमने सबसे प्रतिस्पर्धी सीजन की नींव रखी है। 2014 में शुरू हुई पीकेएल भारत में सबसे ज्यादा देखे जाने वाले खेल लीगों में से एक बन गई है। इसकी सफलता ने राष्ट्रीय पुरुष कबड्डी टीम को भी मजबूत करने में योगदान दिया है, जिसने 2023 में हांगझोऊ एशियाई खेलों में नौ साल बाद स्वर्ण पदक जीता था। पिछले 10 वर्षों में, पीकेएल के आठ अलग-अलग चैंपियन रहे हैं; पटना पाइरेट्स तीन लगातार खिताबों के साथ सबसे सफल टीम है, और ट्रॉफी का बचाव करने वाली एकमात्र टीम बनी हुई है।

करन ने लगाई रैंकिंग में छलांग

बने भारत के नंबर 2 टेनिस खिलाड़ी

चंडीगढ़, 9 जुलाई. राउंडग्लास टेनिस एकेडमी के खिलाड़ी करन सिंह नवीनतम एटीपी रैंकिंग में करियर की सर्वश्रेष्ठ 426वीं विश्व रैंकिंग पर पहुंच गए हैं, जिससे वह भारत के दूसरे सबसे शीर्ष क्रम के एकल खिलाड़ी बन गए हैं। वह भारत के नंबर 1 सुमित नागल (विश्व नंबर 307) से ठीक पीछे हैं। 437 से 11 स्थान की छलांग लगाकर, करन ने एटीपी एकल स्टैंडिंग में भारतीय पुरुषों में नंबर 2 का स्थान हासिल किया है।

कॅरियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग हासिल की

पहुंचे एटीपी रैंकिंग में 426वें स्थान पर

यह रैंकिंग छलांग 22 वर्षीय खिलाड़ी के प्रभावशाली प्रदर्शन के बाद आई है, जिन्होंने मई और जून 2025 के बीच लगातार तीन आईटीएफ वर्ल्ड टेनिस टूर एम15 फाइनल में जगह बनाई। इसमें उन्होंने तेहरान, ईरान में अपना पहला आईटीएफ खिताब जीता, जहां उन्होंने अलेक्जेंडर लोबानोव को सीधे सेटों में 7-6, 6-2 से हराया। अन्य दो फाइनल में वह तेहरान और ताशकंद, उज्बेकिस्तान में उपविजेता रहे।

> राउंडग्लास टेनिस एकेडमी के तकनीकी निदेशक आदित्य सचदेवा ने कहा, यह रैंकिंग छलांग करन के लचीलेपन, अनुशासन और पिछले कुछ महीनों में लगातार प्रदर्शन का इनाम है। उन्होंने आगे कहा, हमने न केवल उनके शारीरिक खेल, बल्कि उनकी सामरिक परिपक्वता और मानसिक लचीलेपन पर भी ध्यान केंद्रित किया है। शीर्ष 500 में जगह बनाना एक बड़ा कदम है, और अपने करियर के इस पड़ाव पर भारत का नंबर 2 बनना उनकी भूख और क्षमता को दर्शाता है।

दूसरी बार वर्ल्ड कप के फाइनल में चेल्सी

ईस्ट रदरफोर्ड, 9 जुलाई (एपी) जोआओ पेड्रो ने चेल्सी के लिए पहली बार शुरुआत करते हुए अपनी बचपन की टीम के खिलाफ दो गोल दागे, जिससे इंग्लैंड के क्लब ने ब्राजील के क्लब फ्लूमिनेंस को 2-0 से हराकर क्लब विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया।

चेल्सी की इस जीत से यह भी सुनिश्चित हो गया कि क्लब विश्व कप का विजेता फिर से यूरोप का ही कोई क्लब बनेगा क्योंकि दूसरा सेमीफाइनल फ्रांस के पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) और स्पेन के रियाल मैड्रिड के बीच खेला जाएगा। जोआओ पेड्रो जब 10 साल के थे तब फ्लुमिनेंस से जुड़ गए थे और 2020 में वाटफ़ोर्ड जाने तक वह इस क्लब की तरफ से खेलते रहे। इस 23 वर्षीय खिलाड़ी ने मंगलवार को खेले गए क्लब विश्व कप के पहले सेमीफाइनल में 18वें और 56वें मिनट में गोल किए और अपने पूर्व क्लब के प्रति सम्मान दर्शाते हुए किसी भी गोल का जश्न मनाने से इनकार कर दिया। वह दो जुलाई को ब्राइटन से चेल्सी में शामिल हुए थे।

- **फाइनल में पीएसजी या रियाल मैड्रिड से भिड़ंत**

> चेल्सी की निगाह अब दूसरी बार विश्व चैंपियन बनने पर लगी होगी। उसने इससे पहले 2021 में खिताब जीता था। फाइनल रविवार को खेला जाना है। यूरोपीय टीमें अपना लगातार 12वां और 18 प्रयासों में 17वां खिताब जीतेंगी। एकमात्र अपवाद 2012 में ब्राजील के कोरिंथियंस की चेल्सी पर जीत है।

बोले हॉकी कोच ▶ **खिलाड़ियों का गेम अवेयरनेस बढ़े, जताई रणनीतिक कमी**

खेल प्रबंधन पर काम करने की जरुरत : हरेंद्र सिंह

नयी दिल्ली,9 जुलाई. एफआईएच प्रो लीग में खराब प्रदर्शन के कारण आलोचनाओं से घिरी भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच हरेंद्र सिंह ने बुधवार को कहा कि उनकी टीम को समय और खेल प्रबंधन पर काम करने की जरूरत है ताकि वह मजबूत टीम बन सके।

प्रो लीग के यूरोपीय चरण में भारत आठ में से सात मैच हारकर सबसे निचले स्थान पर रहा और एफआईएच नेशंस कप में खिसक गया। एक अन्य मैच में भारत ने अर्जेंटीना के साथ निर्धारित समय में 2-2 से ड्रॉ खेला, लेकिन पेनल्टी शूटआउट में हार गया।

- **ओलंपिक तैयारी में फोकस बढ़ाने पर जोर**

> हरेंद्र ने वर्चुअल बातचीत में कहा, ''यह एक नई टीम है जिसमें कई अनुभवी खिलाड़ी चोटिल होने के कारण नहीं खेल पा रही हैं। इससे विशेष कर हमारी रक्षा पंक्ति पर प्रभाव पड़ा। हमें समय और खेल प्रबंधन पर काम करने की जरूरत है। उन्होंने कहा, ''उस क्षेत्र पर काम करने के लिए हमें अनुकूल परिस्थितियां तैयार करनी होगी और खेल को समझना होगा। जैसे, डिफेंस में अनुभवहीन खिलाड़ियों को उतारना और फिर यह देखना कि वे किस स्थिति में हैं। अगर वे असफल होते हैं तो हमें सीनियर खिलाड़ियों पर निर्भर रहना होगा। इस मामले में कोई बहाना नहीं चलेगा। हरेन्द्र ने कहा कि भारतीय टीम को पेनल्टी कॉर्नर के बचाव पर भी काम करने की जरूरत है। उन्होंने कहा, ''पीसी (पेनल्टी कॉर्नर) का बचाव करना एक ऐसा क्षेत्र है जिस पर हमें और काम करने की ज़रूरत है। यूरोपीय चरण में हमारे पास डिफेंस में उदिता और निक्की प्रधान जैसी अनुभवी खिलाड़ी नहीं थीं। हमें अपने डिफेंस पर काम करने की ज़रूरत है।

साउथ दिल्ली सुपर स्टार्ज टीम में चुनी गई 12 वर्षीय चाक्षिता

नई दिल्ली, 09 जुलाई (वार्ता) दिल्ली प्रीमियर लीग (सीजन 2) के विमेंस मेगा ऑक्शन के दूसरे दिन टीमों ने कई दमदार फैसले लिए और स्मार्ट रणनीतियां अपनाईं, ताकि आने वाला सीजन रोमांचक बनाया जा सके। सभी खिलाड़ियों की खरीद में सबसे ज्यादा ध्यान 12 साल की चाक्षिता ने खींचा, जो दिल्ली क्रिकेट सर्किट से आती हैं। साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज ने उन्हें अपनी टीम में शामिल किया है और अब चाक्षिता इस सीजन डीपीएल टी20 में साउथ दिल्ली की ओर से डेब्यू करेंगी।